परिचय

नेपाल में चीन का बढ़ता प्रभाव और भारत (2014-2020):-

आज भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती अपनी सुरक्षा करना एवं पड़ोसियों के साथ संबंध सुधारना है। भारत 3.3 मिलियन वर्ग किलोमीटर में फैला दक्षिण एशिया का सबसे बड़ा देश है। इसकी भू सीमाएं 15,500 किलोमीटर एवं समुंद्री तट सीमा 7,500 किलोमीटर फैली है। जो कुल 11 देशों का महाद्वीपीय या समुंद्री पड़ोसी बनाता है। भारत के उत्तर में हिमालय, नेपाल, चीन, तिब्बत, भूटान, है वही दक्षिण में हिन्दमहासागर पूर्व में वर्मा, बांगलादेश, बंगाल की खाड़ी तो पश्चिम में अफगानिस्तान, पाकिस्तान, अरब सागर है। भारत की भू-राजनीतिक स्थिति संवेदनशील रही है। इसलिए भारत दक्षिण एशिया में किसी बाहरी शक्ति का पुरजोर विरोध करता है। इसलिए भारत अपने पड़ोसी देशों को साथ लेकर चलता है। सार्क की स्थापना 1985 में इसी संदर्भ में की गई थी इसके अलावा भारत ने 1997 में गुजराल सिद्धांत की घोषणा की जिसमें कहा गया है कि भारत अपने पड़ोसी देशों को किसी प्रकार की सहायता करेगा लेकिन इसके बदले किसी लाभ की आशा नहीं करेगा। भारत में 2005 में नई पड़ोसी नीति लाई जिसमें पड़ोसी पहले की प्राथमिकता दी गई। 2014 में जब नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री बने तो पहली विदेश यात्रा भूटान की

वही अपने दुसरे कार्यकाल 2019 में पहली विदेश यात्रा के रूप में मालदीव को चुना इस प्रकार भारत अपने पड़ोसियों के साथ मधुर संबंध रखने का इच्छुक एवं प्रत्यन करता है।

नेपाल भारत का एक महत्वपूर्ण पड़ोसी है और दोनों देशों में भौगोलिक, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक संबंध सदियों से रहे है। एक तरफ से नेपाल के साथ बेटी - रोटी का संबंध है। नेपाल हिमालय की तराई में बसा एक छोटा देश है जो भारत और चीन के मध्य बफर स्टेट की भूमिका अदा करता है। 1950 की संधि दोनों देशों के बीच मित्रता की मिशाल रही है।

भारत के अनेकों प्रयास के वावजूद चीन दक्षिण एशिया में अपना प्रभाव बढ़ाना चाहता है। श्रीलंका का हम्बनटोटा बंदरगाह के लिया है। One Belt One Road चीन की महत्वाकांक्षी परियोजना में भूटान को छोड़कर बाकी भारत के पड़ोसी देश सहमति प्रदान कर चुके है। चीन भारत के पड़ोसी देशों को कर्ज देकर उसे अपने चुंगल में फंसा कर भारत को सामरिक दृष्टि से घेरना चाहता है।

इसी कड़ी में चीन नेपाल में अपना प्रभाव लगातार बढ़ा रहा है। नेपाल का व्यापार लगातार चीन के साथ बढ़ रहा है और नेपाल अपनी निर्भरता भारत से कम कर रहा है। नेपाल के कई स्कूलों में मंदारिन पढ़ाना अनिवार्य किया गया है इन शिक्षकों के वेतन का खर्चा वहीं उठाने जो तैयार है। 2016 में

दोनों देशों के बीच व्यापार और पारगमन की संधि हुई जो दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूती प्रदान कर रही है।

चीन यही नहीं रुका, नेपाल को भारत के विरुद्ध लगातार उकसा रहा है तथा नेपाल के सांस्कृतिक, भाषायी, धार्मिक स्वरूप को बदलने में लगा हुआ है। लिपुलेख दर्रे से होकर कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए भारत 80 km लम्बी सड़क बना रहा था जिसका नेपाल ने विरोध जताया और कालापानी, लिंपियाधुरा और लिपुलेख को अपना हिस्सा बताया जबकि 1816 के सुगौली संधि के तहत यह भारत का हिस्सा था।

इस प्रकार भारत के लिए नेपाल सामरिक और राजनीतिक दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण है। तथा चीन का दखलअंदाजी भारत को पसंद नहीं है। भारत ने नेपाल के साथ संबंध सुधारने के अनेक प्रयास किए है।

Signification of Study / शोध का महत्व एवं आवश्यकता

- सामरिक मुद्दा होने के कारण यह भारतीय सुरक्षा से प्रत्यक्ष रूप से जुड़ा हुआ है।
- चीन का प्रभाव नेपाल में देखने के साथ-साथ पूरे दक्षिण एशिया में दिखने लगा है; इसको समझने में सहुलियत होगी।
- नेपाल - भारत - चीन तीनों देशों के वर्तमान संबन्धों को समझने में आसानी होगी।

- यह शोध अपने आप में अनोखा है इस तरह का शोध अभी तक नहीं हुआ है।
- वर्तमान में जीतने भी मुद्दे नेपाल - भारत - चीन के बीच है उसे समझने और उसके समाधान एवं उसे सुलझाने में सहायता मिलेगी।
- इसका ऐतिहासिक, भौगोलिक, राजनीतिक, सामाजिक, वैदेशिक, आर्थिक, धार्मिक, सामाजिक, दृष्टि से महत्व है।
- इस विषय पर हिन्दी भाषा में कम शोध हुए है।
- दक्षिण एशिया के भू-राजनीतिक महत्व को रेखांखित करना।

Review of Literature / साहित्य समीक्षा

- अंतरराष्ट्रीय राजनीति निरंतर बदलाव का वाहक होता है। सभी देशों के अपने - अपने राष्ट्रीय हित होते है तथा समय के साथ परिवर्तन करना पड़ता है। इसमें एक दूसरे के बीच अनेक अंतः क्रियाएँ, महत्वाकांक्षाएं, संघर्ष के बिन्दु एवं मुद्दे, क्षेत्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा निहित रहती है। जिस तरह चीन दक्षिण एशिया पर हवी होने की कोशिश कर रहा है जिसके कारण भारत की चिंताएँ बढ़ती जा रही है। चाहे वह डोकलाम विवाद हो, मोतियों की माला संकल्पना हो या OBOR (One Belt One Road) या नेपाल में चीन का बढ़ता प्रभाव यह सारे पहलुओं इस शोध में परखा जाएगा।

- प्रस्तुत साहित्य समीक्षा का उद्देश्य भारत - नेपाल - चीन के मध्य संबंधो विवादों एवं समाधान खोजने का प्रयास करना है इस संदर्भ में अनेक ग्रंथ एवं शोध साहित्य उपलब्ध है जिसमें इस शोध की झलक मिलती है।
- राज्य सभा T.V. - भारत की पड़ोस नीति - प्रकाशन 28 मई 2018 एंकर कविन्द्र सचान, अतिथि राणा बनर्जी, विवेक काटजू, हर्ष वी॰ पंत भारत अपने पड़ोसी देशों को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान करता है।
- ORF SPECIAL REPORT - July 2019- looking back looking ahead : Foreign Policy in transition under Modi - Harsh V Pant and Kabir Taneja- जब से श्री नरेन्द्र मोदी की सरकार बनी है तब से दक्षिण एशिया पर भारत का ध्यान केन्द्रित रहा है।
- DW Report 14.10.2019 - इसमें नेपाल में चीन के बढ़ते प्रभाव को दर्शाया गया है।
- बी॰बी॰सी॰ हिन्दी 11.10.2019 रिपोर्टिंग - इस रिपोर्ट में भी चीन के बढ़ते प्रभाव को दिखाया गया है।
- ORF Report 4 Sep 2020 - नेपाल में चीन की बढ़ती शार्प पावर बड़े पैमाने पर प्रसार और अपने राष्ट्रीय हितों को नेपाल में लगातार बढ़ाने का प्रयास।
- दृष्टि आई॰ ए॰ एस॰ - भारत नेपाल संबंधो में उभरती चुनौतियाँ 10 NOV 2018 - इसमें चीन की तरफ से दोनों देशों के बीच कैसे खाई पैदा की जा रही है।

- Baral B.N. - 2019 - Nepal -china - India Prospects and challenges - Nepal Journals Online - नेपाल भारत और चीन के साथ सहयोगात्मक संबंध चाहता है।
- Research gate Foreign Relation of Nepal with China and India- Girdhari Dahal
- Rajan Amit, India - Nepal row over the updated map of India ISAS working paper No. 321, Institute of South Asian Studies National University of Singapore 2019.

Objectives / उद्‌देश्य

- भारत - नेपाल - चीन के त्रिकोणीय दृष्टिकोण से रिश्तों/ संबंधो को समझना।
- दक्षिण एशिया में चीन के प्रभाव का आकलन करना।
- नेपाल के विशेष संदर्भ में चीन के बढ़ते प्रभाव का विश्लेषण करना ।
- सरल भाषा में शोध को प्रस्तुत करना
- भारत के सामरिक सुरक्षा में आई कमी का आकलन करना।
- भारत नेपाल के मध्य विवाद के प्रमुख विन्दु एवं समाधान।
- भारत एवं चीन दक्षिण एशिया के क्षेत्रीय शक्ति के संतुलन के रास्ते।
- कैसे नेपाल में चीन के बढ़ते प्रभाव को रोका जाए।

Hypothesis / शोध परिकल्पना

- विदेश नीति एक गतिशील एवं परिवर्तनशील विषय है इसमें राष्ट्रीय हित सर्वोपरी होता है।
- बदलते परिवेश में भारत की सामरिक सुरक्षा काफी मायने रखती है।
- बदलते वैश्विक परिदृश्य में नेपाल का झुकाव चीन की तरफ होने लगा है तथा चीन भी नेपाल को भारत के विरुद्ध उकसा रहा है।
- भारत के राष्ट्रहित को नेपाल में कैसे सुरक्षित रखा जाए।
- दक्षिण एशिया में चीन के प्रभाव को कैसे रोका जाए।
- भारत नेपाल में अपनी प्रभावी भूमिका कैसे स्थापित करें।
- भारत अपनी विदेश नीति खासकर पड़ोसियों के बीच कैसे लोकप्रियता हासिल करें।
- भारत - चीन के टकराव के बीच नेपाल एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय परिचर्चा का केन्द्र है।
- यह शोध क्षेत्रीय स्तर पर भारत के दृष्टिकोण को रेखांकित करेगा कि भारत अपने पड़ोसियों के साथ हमेशा अच्छे रिश्ते चाहता है।

Methodology / अनुसंधान प्रविधि

इस शोध पत्र को तैयार करने के लिए आँकड़े तथा तथ्य द्वितीय (Secondary) श्रोतों से जुटाए जायेंगे। यह शोध ऐतिहासिक घटनाओं के साथ वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रखकर प्रस्तुत किए जायेंगे जो शोधकर्ता(मैंने) ने अपने

व्यक्तिगत अनुभवों तथा ज्ञान से प्राप्त किए है। इसमे ऐतिहासिक, वर्णानात्मक, विश्लेषणात्मक, यथार्थवादी, तुलनात्मक एवं व्यवहारवादी विधि का प्रयोग है। शोध सामग्री, शोध पत्रों, लेखों प्रसिद्ध पुस्तकों, पत्र-पत्रिकाओं तथा समाचार पत्रों, एवं अन्य वेबसाइट से प्राप्त की गई है। आवश्यकता के अनुसार यदि जरूरत पड़ी तो अध्याय, अनुसंधान प्रविधि या शोध के अन्य अंशो में बदलाव किया जा सकता है।

Chapterisation / प्रस्तुत अध्याय योजना

1. शोध परिचय
2. भारत - नेपाल-चीन संबंध संभावनाएँ एवं चुनौतियाँ (2014-2020)
3. दक्षिण एशिया में चीन का बढ़ता प्रभाव और भारत
4. नेपाल में चीन का बढ़ता प्रभाव और भारत
5. भारत एवं नेपाल के बीच विश्वास बहाली के प्रयास
6. निष्कर्ष एवं सुझाव

Bibliography / संदर्भ ग्रंथ सूची

- Das Angana India's Neighbourhood Policy: challenges and prospects - 2016 - research.
- Kapur Ashok Modi foreign Policy -2017 - Book.
- Saran Shyam former Indian foreign secretary- How India sees the world: Kautilya to the modi 21st century-2017- book.
- सिंह दशरथ - विदेश नीति की ऊँची उड़ान - डॉ॰ श्याम प्रसाद मुखर्जी शोध अधिष्ठान-2018
- NOU, Patna-M.A. Paper-8 भारत एवं विश्व रजनीति-2006
- पंत पुष्पेश- 21 वीं शताब्दी में अंतरराष्ट्रीय संबंध- Mc Graw Hill Education- Publication चतुर्थ संस्करण-2015
- दीक्षित जे॰एन॰- भारत की विदेश नीति और पड़ोसी देश-2018
- Pant V Harsh and Taneja Kabir- ORF Special Report- Looking Back, Looking Ahead: Foreign Policy In Transition under modi-2019
- शोध गंगा
- राज्य सभा T.V. - B.B.C, India Today, दैनिक जागरण, The-Hindu etc.

- फाड़िया बी॰ एल॰ - अंतरराष्ट्रीय रजनीति- साहित्य भवन पब्लिकेशन
- Kavitha KK (2016) the changing paradigm of India - Nepal Relations.
- Shrestha, Rajendra B.(2018) - Foreign Policy challenges and opportunities, Kathamandu: The Rising Nepal
- Naidu Sushil K Nepal - India open Border's security and challenges. New Delhi Gourav Book Center Pvt. Ltd. 2016
- Baral Raj Lok. Politics of Geo Politics: Continuity and change in India - Nepal relations New Delhi: Adarash Books-2018
- Bhatt SC. The Triangle India, Nepal, China - A study in treaty relations. New Delhi: Gyan Publication House:2012
- Baral Bhim N. Nepal - china- India prospects and challenges of Trilateralism: 2020 research article department of Political Science Tribhuvan University Pokhara Nepal.
- Sukla Manish. China saved Nepal PM Oli's Govt. he raised border dispute with India to repay former 2020